श्री जगदीश प्रसाद माथुर: महोदया, एक बड़ा महत्व का विषय हमारे सामने है। पाकिस्तान ऐटम-बम आदि बनाने के लिए विभिन्न प्रकार से पिछले कई सालों से चोरी करता रहा है। आज भी बर्लिन में पकड़े जाने वाली बात मेरे साथी श्री जयपाल रेड्डी ने कही है लेकिन मैं ध्यान दिलाना चाहूंगा कि 1993 में भी उन्होंने सामान्य कारखाने से संबंधित बनाकर कुछ पार्ट्स चोरी किए थे जो बाद में देखे गए कि वे न्यूक्लियर वैपन्स के लिए काम में आते हैं। इससे पहले भी फ्रांस से और दूसरे देशों से कुछ ऐसे पार्ट्स जो न्यूक्लियर बम बनाने के लिए तैयार किए जाते है, वे चोरी करते रहे हैं।

महोदया, सबसे बड़ी खतरनाक बात यह है और संदेह यह हो रहा है और जैसा मेरे साथी ने भी कहा कि शायद इस प्रकार से एक न्यूक्लियर माफिया तैयार हो रहा है। उसमें देखने वाली विशेष बात यह है कि कुछ विशेष प्रकार के देश उसमें शामिल हैं। इस्लामिक फंडामेंटलिज्म के नाम से इस प्रकार से आतंकवाद दुनिया में प्रारम्भ हो रहा है और ईरान ने तो कहा भी था कि हम इस्लामिक बम बनाना चाहते है, उसकी गम्भीरता की ओर मैं सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

मैं एक बात और कहकर समाप्त करूंगा। जहां तक दुनिया की सुरक्षा का सवाल है उसे सब जानते है। लेकिन पाकिस्तान विशेष रूप से यह खेल खेल सकता है कि मेरी सरकार कुछ नहीं कर रही है निजि कोई लोग ऐसा कर रहे हो तो हम क्या कर सकते हैं जिस प्रकार वे टैररिस्ट्स को कश्मीर में भेज रहे हैं, कल उसी प्रकार से शस्त्रों के उपयोग की धमकी दी जा सकती है और यह कह कर कि पाकिस्तान कुछ नहीं कर रहा लेकिन प्राइवेट एजेंसीज कर रही है बचा जा सकता है वह भी संभव हो सकता है। इसीलिए मैं आवाज उठाना चाहता हूं अपने साथियों के साथ कि सरकार इस चीज को जितने भी अंतर्राष्ट्रीय फोरम हैं उन सब पर इस सवाल को उठाए और पाकिस्तान को टैररिस्ट स्टेट घोषित करने के लिए दो-चार सबूत हमारे सामने है उन्हें प्रस्तुत करें। अभी अगले मार्च में जनरल काऊंसिल की मीटिंग होने वाली है। उसमें पाकिस्तान कश्मीर का सवाल उठा सकता है। वह चाहे जो सवाल उठाए लेकिन हमें उसको टैररिस्ट स्टेट घोषित कराने का सवाल खड़ा करना चाहिए और सारा देश इस विषय पर सरकार के साथ होगा।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Afzal.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, will the Foregin Minister, Bhatiaji respond to this?

SHRI JAGESH DESAI (Maharastra): He has heard you. He will say that he has heard you.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Are we to assume that the Government has no response to make in the matter?

THE DEPUTY CHAIRMAN: The Minister heard it. I am sure, before you mentioned it on the floor of the House, he must have read it, he must have had the information, and I am sure he would take note of what you and Mathurji said. And everybody, all of us, without speaking also, are in agreement about the activities of Pakistan.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Madam, can I make just a sentence?

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Since the Finance Minister is here...

THE DEPUTY CHAIRMAN: No, no. That matter is over.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Since the situation is volatile in Bombay, let him respond to it.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Afzal.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Either today or tomorrow, let the Government come out with a statement.

Re. Misuse of T.A.D.A.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल (उत्तर प्रदेश): मैडम, मैं पिछले तीन सालों से कई बार यहां पर "टाडा" के मिसयूज के बारे में हाऊस की तवज्जह दिलाता रहा हूं और सरकार की तवज्जह दिलाता रहा हूं लेकिन बड़े दुख की बात है कि इस मसले पर न तो ध्यान दिया गया और न "टाडा" के मिसयूज को रोका गया। आज "टाडा" के जरिए से हजारों फैमिलीज को जबरदस्त तरीके से हैरेस किया जा रहा है। बंबई के अंदर "टाडा" पुलिस और ऐडमिनिस्ट्रेशन के लिए "टाडा" की बजाए टी.ए. और डी.ए. हो गया है। वहां बाकायदा टी.ए. और डी.ए. वसूल किया जा रहा है। कम से कम 5 हजार फैमिलीज से बाकायदा यह भत्ता वसूल किया जाता है। महोदय, जो लोग पकड़े गए हैं मैं उनकी बात नहीं कर रहा हूं जिन लोगों को पकड़ने के लिए धमकाया जाता है, उससे बचने का रेट 5 लाख रुपए से 3 करोड़ रुपए है। मैडम, मेरे पास ऐसे

सबूत मौजूद हैं, एक जेल से मुझे एक कैदी ने खत लिखा है। भुसावल की जेल में यह शख्स मौजूद है और उसने खत लिखा है कि उसके सामने 3 कैदियों को मार-मारकर कहा गया कि बंबई के कुछ लोगों के नाम लो कि इनका बम-ब्लास्ट में हाथ था ताकि उनको ''टाडा'' में पकड़ा जा सके। मैडम, मेरे पास बहुत सारी फिगर्स हैं जो सरकार ने मुझको दी हैं।

1989 से लेकर के 1993 तक 18693 लोगों पर टाडा लगाने की कोशिश की गई। लेकिन उसमें 2304 लोगों पर टाडा लगाया जा सका। कितने लोग उसमें कंविक्ट हुए, कितने लोग उसमें कंविक्ट नहीं हो सके उसकी डिटेल सरकार के पास होनी चाहिए। मैडम्, 1992 और 93 के अंदर 2514 लोगों पर टाडा लगाया गया और 1993-94 के अंदर 2110 के ऊपर टाडा लगाया गया। अभी हाल में ''सनडे'' में एक स्टोरी जिसमें लुईस फर्नांडिस ने सारी तहकीकात करके छापी है। उसमें होम सैक्रेट्री साहब ने यह दावा किया है कि टाडा का इस्तेमाल सिर्फ बोर्डर स्टेट में किया गया है और इसका इस्तेमाल अकलियतों के खिलाफ नहीं हो रहा है। मैं होम सैक्रट्री साहब से पूछना चाहता हूं कि क्या अहमदाबाद, क्या बम्बई, क्या देहली, ये बोर्डर स्टेट हैं, जहां पर इसका इस्तेमाल किया जा रहा है। मैडम, हैरत की बात यह है कि जब यह कानून लाया गया था, 1985 में यह कहा गया है कि इसको सिर्फ पंजाब में लागू किया जाएगा। लेकिन 1989 से लेकर 1992 तक 8 स्टेट ने इसका इस्तेमाल किया और चंद स्टेट ऐसी थी जिन्होंने कोई इंफार्मेशन वजीरे दाखिला साहब को मांगने के बावजूद नहीं दी। मैडम्, उसके बाद अब 1994 में मेरे पास दो फिगर्स हैं। एक वह है जो पार्लियामेंट में वजीरे दाखिला साहब ने मुझको दी है। उसके मुताबिक 16 स्टेट ने इस का इस्तेमाल किया है और एक दूसरी फिगर है जो किसी ह्यूमन राईट्स आर्गनाइजेशन ने अपने तौर पर इकट्ठी की है। उसका दावा है कि 22 स्टेट के अंदर टाडा का मिसयूज हो रहा है। मैडम्, मैं दो मिसाल देना चाहता हूं कि अहमदाबाद, महाराष्ट्र खास तौर पर गुजरात, महाराष्ट्र और राजस्थान के अंदर इसका जबर्दस्त मिसयूज हो रहा है। मैडम्, सलीम खां नाम का एक आदमी है। उस पर टाडा लगाया गया और ...(व्यवधान)

उपसभापति: अब आप यह सब डिटेल...(व्यवधान)

श्री मोहदम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मि. शर्मा की मौजूदगी में उसके जिस्म को ब्लेड से काटा गया, उसके ऊपर मिर्चे और नमक छिड़का गया। मैडम्, मैं महाराष्ट्र का एक केस मिसाल के तौर पर आपके सामने पेश करना चाहता हूं। यहां पर मेरे पास इतना मैटीरियल है कि इस पर किताबें लिखी जा सकती हैं जो टाडा के लिए फंसाए गए लोगों की फैमिली के साथ जुल्म हुआ है। मैडम्, , मैं एक मिसाल देना चाहता हूं। एक शख्स जिसका नाम राकेश खुराना है और वह स्टमक रेस्टोरेंट, बान्द्रा का वह मालिक है। इस नौजवान को पकड़ा गया और कहा गया कि तुम, एक पता बताओ किसी ऐसे आदमी का जिसका बम्बई बैलास्ट के अंदर नाम लिया गया था या उसमें मुलव्विस था। यह राकेश खुराना थाने में था। लेकिन जब इसकी रिहाई के आर्डर हुए तो थाने के अंदर एक सैयद अब्दुल रहमान कमरुद्दीन का आदमी था, जिसको पकड़ा हुआ था। उसकी मां, उसकी बहन और उसकी भाभी इन तीनों की पुलिस के लोगों ने अस्मतदरी की। यह केस बाकायदा ह्यूमन राईटस आर्गनाइजेशन ने पूरा छापा है। अस्मतदरी करते हुए राकेश कुमार खुराना को दिखाया गया और कहा गया कि अगर कल तक तुमने जाकर के जिस आदमी का नाम वह लेना चाहते थे, अगर इसका पता नहीं बताया तो हम तुम्हारी बीबी को भी उठाकर लाएंगे और इस थाने के अंदर पुलिस के लोग यही सलूक करेंगे। मैडम्, वह राकेश खुराना अपने घर गया और उसने अपनी 25 साल की बीबी नीरू को सबसे पहले गोली मारी, अपने तीन साल के बेटे को गोली मारी, दो साल की बच्ची को गोली मारी और फिर खुद भी अपने आपको गोली मारकर हलाक कर लिया। मैडम्, यह एक केस है टाडा के लगाने से पहले जहां बम्बई पुलिस ने जुल्म ढाया। दो पैमाने हैं इसके। यह प्योरली ह्यूमन राईट का मामला है। मैं इसे हिन्दू और मुस्लिम का सवाल बनाना नहीं चाहता। हालांकि मेरे पास इस बात के सबूत हैं कि पंजाब और कश्मीर, पंजाब को छोड़कर के 90 परसेंट, कम से कम 80-85 परसेंट मायनोरिटी के लोगों के खिलाफ टाडा का इस्तेमाल किया जा रहा है। आप मुझे बताइए कि 28 हजार लोगों पर टाडा लगाया गया...(व्यवधान)

उपसभापति: अफजल साहब, मैंने आपको पहले भी अर्ज किया था कि टाडा के ऊपर सरकार खुद डिस्कशन लाई है। मैंने अभी एनाउंस किया है कि उसके लिए वक्त दिया है। लम्बा समय दिया है। आप जब बोलिएगा। अभी जीरो आवर के अंदर इतना लम्बा बोलेंगे तो दूसरे लोगों को कैसे मौका मिलेगा।

मैडम, मैं खत्म कर देता हूं अपनी बात। मैं सिर्फ यही कहना चाहता हूं कि संजय, जो सुनील दत्त साहब के बेटे हैं, उनको टाडा में पकड़ा गया क्योंकि उनके पास कुछ हथियार वगैरह निकले। दो पैमाने नहीं होने चाहिए। यहां पर गोवा के एक काबिल गवर्नर थे, उनके पास बहुत से हथियार निकले थे, पकड़े गए, सारे अखबारों में छपा,

गोवा के सारे अखबारों ने छापा क्या उन पर टाडा लगाया गया? क्या आर्म्ड ऐक्ट के तहत उन पर कोई मुकदमा चलाया गया? क्या सजा दी जा रही है संजय को बताया जाए।

SHRI P. UPENDRA (Andhra Pradesh): Governor or Minister?

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: किस लिए? गवर्नर है, काबिल गवर्नर। भानुप्रताप सिंह, मैं नाम नहीं लेना चाहता था। आपने पूछा तो मैं बता रहा हूं और मैडम, मैं यह भी जानना चाहता हूं कि 1993 जनवरी के अंदर जो फसादात हुए थे बम्बई के अंदर, जिसमें सैकड़ों लोग मारे गए, हजारों मकानों को आग लगाई गई, करोड़ों रुपए की सम्पत्ति लूटी गई। उस जुर्म में कितने लोगो पर टाडा लगाया गया, यह गवर्नमेंट बताए। और उसके बाद 12 मार्च के धमाकों के बाद कितने लोगों पर टाडा लगाया गया, यह सरकार यहां पर आंकड़े पेश करे ताकि पता लगे कि सरकार कितनी एफिशिएंट है। दिल्ली के अंदर एक नौजवान, पुरानी दिल्ली के अंदर जिसका नाम राजेन्द्र था, उसको कत्ल किया गया। उसको किसी ने चाकू मारा और वह मर गया। एक चाकू के जख्म से वह बेचारा मारा गया लेकिन उस जुर्म में दिल्ली के 22 नौजवान लड़के आज भी टाडा के अंदर बंद हैं। एक जख्म से मरने वाले आदमी को, इंसान के खून की कोई कीमत नहीं है। मैं यह कहता हूं कि टाडा जरूर लगे। अगर वह एक आदमी जिस पर एक चाकू लगाने के जुर्म में 22 लड़कों को टाडा लगाया गया तो मुझे बताएं कि जनवरी के फसादात में बंबई के अंदर जो हत्याकांड हुआ, जो नंगा नाच हुआ वहां पर उस जुर्म में कितने लोगों पर टाडा लगाया गया और कितने लोग अब बंद हैं? वजीरे दाखिला उसका रिकार्ड महाराष्ट्र सरकार से मांगें और बताएं इस हाउस को, इस सदन को। मैडम, आज यह बात हो रही है। आज टाडा के खिलाफ कौन लोग हैं? जस्टिस तारकुंडे साहब ने कहा है।

"The blackest of all black laws."

राजेश पायलट साहब ने उसी हाउसे में कहा था कि हमें ऐसी शिकायतें मिली हैं कि 90 फीसदी से ज्यादा टाडा जिन लोगों पर लगाया गया, वह मिस-यूज हुआ है।

उपसभापति: अफजल साहब, प्लीज। अब आप बाद में बोलिएगा। I have other names also.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: अभी दो मिनट में खत्म करूंगा। मैडम, जाफर शरीफ साहब ने जो केबिनेट मिनिस्टर हैं, उन्होंने सी. डब्ल्यू. सी. से अपील की है और स्टेटमेंट अखबारों में जारी किए हैं। मेरे पास स्टेटमेंट की कापी है।

उपसभापति: Please sit down.

अभी स्टेटमेंट के बारे में बाद में बोलिएगा।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मैडम, जाफर शरीफ साहब ने कहा है कि टाडा का मिस-यूज ऐसा लगता है कि यह कानून अकल्लियतों में खौफ व हिरास के लिए बनाया गया है।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Afzal Saheb, please sit down.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मैडम, गुलाम नबी आजाद साहब ने पब्लिक जलसों के अंदर टाडा का बार-बार संगीत दोहराया। और तो और अभी संडे ने जो रिपोर्ट छापी है मिस फर्नान्डिस साहिबा की रिपोर्ट है, उसके अंदर बाकायदा उन्होंने क्वोट किया है, किसी केबिनेट मिनिस्टर के घर पर मीटिंग हुई और उसके अंदर शरद पवार साहब भी तशरीफ लाए और शरद पवार साहब जिनकी स्टेटमेंट है, टाडा का सबसे ज्यादा मिस-यूज हो रहा है। खुद उन्होंने इसको "ड्रेकोनियन लॉ" कहा है।

मैडम, सबसे आखिर में मैं यह कहना चाहता हूं कि ह्यूमन राइट्स ऑर्गेनाइजेशन जो अभी बनाई गई है यहां पर, उसके सदर जस्टिस रंगनाथ मिश्र ने इन सारे केसेज को देखा है और देखने के बाद कहा है कि टाडा के खिलाफ वे अदालत में जाने का इरादा रखते हैं। मैडम, मैं सिर्फ एक बात करना चाहता हूं। सरकार बिल ला रही है इस पर अमेंडमेंट करने के लिए। इस पर अमेंडमेंट के लिए बिल नहीं लाना चाहिए, यह बहुत ही तकलीफ की बात है। टाडा के तहत जो बेगुनाह लोग पकड़े गए हैं, उनके सिलसिले में सुप्रीम कोर्ट का ऑर्डर है कि कमेटियां बना कर उनका रिव्यू किया जाए लेकिन अभी तक कोई रिव्यू शुरू नहीं हुआ है। मैं यह जानना चाहता हूं कि आखिरकार सुप्रीम कोर्ट जो हमारी सबसे बुलन्द अदालत है, उसके हुक्म का क्यों मजाक उड़ाया जा रहा है स्टेट्स के अंदर? राजेश पायलट साहब ने जो खत बुज़राए आला को लिखा है, उसका क्यों मजाक उड़ाया जा रहा है और बेगुनाहों को क्यों परेशान किया जा रहा है? इसलिए मैं वजीरे दाखिला साहब यहां बैठे हैं, उनसे हाथ जोड़ कर विनती करता हूं कि अमेंडमेंट की जरूरत नहीं है। इस काले कानून को खत्म कर दीजिए खुदा के वास्ते वरना इसका जुल्म आप रोक नहीं पाएंगे। आप इस पर अमेंडमेंट करेंगे, दूसरे रास्ते तलाश कर लिए जाएंगे। आज बंबई में पांच हजार फैमिलीज ऐसी हैं...

उपसभापति: अफजल साहब, प्लीज।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: जिनसे बाकायदा टाडा लगाने की धमकी दे कर भत्ता वसूल किया जा रहा है, यह बात मैं बहुत खुसूसियत के साथ कहना चाहता हूं।

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل:

اتر پردیش: میڈم میں پچھلے کئی سالوں سے کئی بار یہاں پر "ٹاڈا" کے مس یوز کے بارے میں ہاؤس کی توجہ دلانا چاہ رہا ہوں اور سرکار کی توجہ دلا رہا ہوں لیکن بڑے دکھ کی بات ہے کہ اس مسئلہ پر نہ تو دھیان دیا گیا اور نہ "ٹاڈا" کے "مس یوز" کو روکا گیا۔ آج "ٹاڈا" کے ذریعہ ہزاروں فیملیز کو زبردست طریقہ سے ہراس کیا جا رہا ہے۔ بمبئی کے اندر "ٹاڈا" پولیس اور ایڈمنسٹریشن کے لئے "ٹاڈا" کی بجائے "ٹی۔ اے" اور "ڈی۔ اے" ہو گیا ہے۔ وہاں باقاعدہ ٹی۔ اے اور ڈی اے وصول کیا جا رہا ہے۔ کم سے کم ۵ ہزار فیملیز سے باقاعدہ یہ بھتہ وصول کیا جاتا ہے۔

مہودیہ۔ جو لوگ پکڑے گئے ہیں میں انکی بات نہیں کر رہا ہوں۔ جن لوگوں کو پکڑنے کے لئے دھمکایا جاتا ہے اس سے بچنے کا ریٹ ۵ لاکھ روپے سے ۳ کروڑ روپے ہے۔ میڈم میرے پاس ایسے ثبوت موجود ہیں ایک جیل سے مجھے ایک قیدی نے خط لکھا ہے جو ساول کی جیل میں ایک شخص موجود ہے اور اس نے خط لکھا ہے کہ اس کے سامنے ۳ قیدیوں کو مار مار کر کہا گیا ہے کہ بمبئی کے کچھ لوگوں کے نام لو کہ ان کا بم بلاسٹ میں ہاتھ تھا تاکہ انکو "ٹاڈا" میں پکڑا جا سکے۔ میڈم میرے پاس بہت سی فیگرس ہیں جو سرکار نے مجھ کو دی ہیں۔

۱۹۸۹ سے لے کر ۱۹۹۳ء تک ۱۸۶۹۳۰ لوگوں پر "ٹاڈا" لگانے کی کوشش کی گئی۔ لیکن اس میں ۴۳۰۲ لوگوں پر "ٹاڈا" لگایا جا سکا۔ کتنے لوگ اس میں "کنوکٹ" ہوئے۔ کتنے لوگ اس میں "کنوکٹ" نہیں ہو سکے۔ اس کی ڈیٹیل سرکار کے پاس ہونی چاہئے۔ میڈم۔ ۱۹۹۲ اور ۹۳ کے اندر ۲۵۱۴ لوگوں پر "ٹاڈا" لگایا گیا اور ۹۴۔۱۹۹۳ کے اندر ۲۱۱ کے اوپر "ٹاڈا" لگایا گیا۔ ابھی حال میں "سنڈے" میں ایک اسٹوری جس میں "لوئیس فرنانڈیس" نے ساری تحقیقات کر کے چھاپی ہے۔ اس میں ہوم سکریٹری صاحب نے یہ دعویٰ کیا ہے کہ "ٹاڈا" کا استعمال صرف بارڈر اسٹیٹ میں کہا گیا ہے اور اس کا استعمال اقلیتوں کے خلاف نہیں ہو رہا ہے۔ میں ہوم سکریٹری صاحب سے پوچھنا چاہتا ہوں کہ کیا احمد آباد۔ کیا بمبئی۔ کیا دہلی۔ یہ بارڈر اسٹیٹ ہے جہاں پر اس کا استعمال کیا جا رہا ہے۔ میڈم حیرت

†Translitration in Arabic Script.

گیا۔ میڈم میں مہاراشٹر کا ایک کیس مثال کے طور پر آپکے سامنے پیش کرنا چاہتا ہوں یہاں پر میرے پاس اتنا میٹریل ہے کہ اس پر کتابیں لکھی جا سکتی ہیں جو ٹاڈا کے لئے پھنسائے گئے لوگوں کی فیملی کے ساتھ ظلم ہوا ہے۔ میڈم میں ایک مثال دینا چاہتا ہوں ایک شخص جس کا نام راکیش کھرانا ہے اور وہ "اسٹومک ریسٹورنٹ" باندرا کا مالک ہے اس نوجوان کو پکڑا گیا اور کہا گیا کہ تم ایک پتہ بتاؤ کسی ایسے آدمی کا جس کا کمبئی بلاسٹ کے اندر نام لیا گیا تھا یا اس میں ملوث تھا یہ راکیش کھرانہ تھانے میں تھا لیکن جب اس کی رہائی کے آرڈر ہوئے تو تھانے کے اندر ایک سید عبدالرحمٰن قمرالدین کا آدمی تھا جس کو پکڑا ہوا تھا۔ اس کی ماں۔ اس کی بہن اور اس کی بھابی ان تینوں کی پولیس کے لوگوں نے عصمت دری کی۔ یہ کیس باقاعدہ "ہیومین رائٹس آرگنائزیشن" نے پورا چھاپا ہے۔ عصمت دری کرتے ہوئے راکیش کمار کھرانہ کو دکھایا گیا اور کہا گیا کہ اگر کل تک تم نے جا کر جس آدمی کا وہ نام لینا چاہتے تھے اگر اس کا پتہ نہیں بتایا تو ہم تمہاری بیوی کو بھی اٹھا کر لاویں گے اور اس تھانے کے اندر پولیس کے لوگ یہی سلوک کریں گے۔ میڈم۔ وہ راکیش کھرانہ کی بات یہ ہے کہ جب یہ قانون لایا گیا تھا۔ ۱۹۸۵ میں یہ کہا گیا ہے کہ اس کو صرف پنجاب میں لاگو کیا جائے گا لیکن ۱۹۸۹ سے لے کر ۱۹۹۲ تک ۸ اسٹیٹ نے اس کا استعمال کیا اور چند اسٹیٹ ایسی تھیں جنہوں نے کوئی انفارمیشن وزیر داخلہ صاحب کو مانگنے کے باوجود نہیں دیں۔ میڈم اس کے بعد اب ۱۹۹۴ میں میرے پاس دو فگرز ہیں ایک وہ ہے جو پارلیمنٹ میں وزیر داخلہ صاحب نے مجھ کو دی ہے اس کے مطابق ۱۶ اسٹیٹ نے اس کا استعمال کیا ہے اور ایک دوسری فیگر ہے جو کسی "ہیومین رائٹس آرگنائزیشن" نے اپنے طور پر اکٹھی کی ہے اس کا دعویٰ ہے کہ ۲۲ اسٹیٹ کے اندر "ٹاڈا" کا مس یوز ہو رہا ہے۔ میڈم۔ میں دو مثال دینا چاہتا ہوں کہ احمد آباد۔ مہاراشٹر۔ خاص طور پر گجرات۔ مہاراشٹر اور راجستھان کے اندر اس کا زبردست مس یوز ہو رہا ہے۔ میڈم۔ سلیم خان نام کا ایک آدمی ہے اس پر "ٹاڈا" لگایا گیا اور... "مداخلت"...

اپ سمجھا چکی: اب آپ یہ سب ڈیٹیل ... "مداخلت"...

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: مسٹر شرما کی موجودگی میں اس کے جسم کو بلیڈ سے کاٹا گیا۔ اس کے اوپر مرچ اور نمک چھڑکا

کے بیٹے ہیں۔ ان کو ٹاڈا میں پکڑا گیا کیونکہ ان کے پاس کچھ ہتھیار وغیرہ نکلے۔ دو پیمانے نہیں ہونے چاہئیں۔ یہاں پر گووا کے ایک قابل گورنر تھے۔ ان کے پاس بہت سے ہتھیار نکلے تھے۔ پکڑے گئے۔ سارے اخباروں میں چھپا۔ گوا کے سارے اخباروں نے چھاپا۔ کیا ان پر ٹاڈا لگایا گیا۔ کیا آرمڈ ایکٹ کے تحت ان پر کوئی مقدمہ چلایا گیا۔ کیا سزا دی جا رہی ہے۔ سنجے کو بتایا جائے۔

SHRI P. UPENDRA: Governor or Minister?

شری محمد افضل عروم۔ افضل، کس لئے۔ گورنر ہیں۔ قابل گورنر۔ بھانو پرتاپ سنگھ۔ میں نام نہیں لینا چاہتا تھا۔ آپ نے پوچھا تو میں بتا رہا ہوں اور میڈم۔ میں یہ بھی جاننا چاہتا ہوں کہ ۱۹۹۳ جنوری کے اندر جو فسادات ہوئے تھے بمبئی کے اندر۔ جس میں سینکڑوں لوگ مارے گئے۔ ہزاروں مکانوں کو آگ لگائی گئی۔ کروڑوں روپے کی سمپتی لوٹی گئی۔ اس جرم میں کتنے لوگوں پر ٹاڈا لگایا گیا۔ یہ گورنمنٹ بتائے۔ اور اس کے بعد ۱۲ مارچ کے دھماکوں کے بعد کتنے لوگوں پر ٹاڈا لگایا۔ یہ سرکار یہاں پر آنکڑے پیش کرے۔ تاکہ پتہ لگے کہ سرکار اپنے گھر گیا اور اس نے اپنی ۲۵ سال کی بیوی نیرو کو سب سے پہلے گولی ماری اور اپنے تین سال کے بیٹے کے گولی ماری۔ دو سال کی بچی کو گولی ماری اور پھر خود بھی اپنے آپ کو گولی مار کر ہلاک کر لیا میڈم۔ یہ ایک کیس ہے "ٹاڈا" کے لگانے سے پہلے جہاں بمبئی پولیس نے ظلم ڈھایا۔ دو پیمانے ہیں اس کے۔ یہ پیورلی "ہیومن رائٹ" کا مسئلہ ہے۔ میں اسے ہندو اور مسلم کا سوال بنانا نہیں چاہتا۔ حالانکہ میرے پاس اس بات کے ثبوت ہیں کہ پنجاب اور کشمیر، پنجاب کو چھوڑ کر کے ۹۰ پرسنٹ، کم سے کم ۸۰۔۸۵ پرسنٹ مائنارٹی کے لوگوں کے خلاف "ٹاڈا" کا استعمال کیا جا رہا ہے۔ آپ مجھے بتائیے کہ ۲۸ ہزار لوگوں پر "ٹاڈا" لگایا گیا "مداخلت"

اپ سبھاپتی: افضل صاحب۔ میں نے آپکو پہلے بھی عرض کیا تھا کہ "ٹاڈا" کے اوپر سرکار خود ڈسکشن لائی ہے۔ میں نے ابھی اناؤنس کیا ہے کہ اس کے لئے وقت دیا ہے لمبا سمے دیا ہے۔ آپ جب بولئے گا۔ ابھی زیرو آور کے اندر اتنا لمبا بولیں گے تو دوسرے لوگوں کو کیسے موقع ملے گا۔

شری محمد افضل عروم۔ افضل، میڈم۔ میں ختم کر دیتا ہوں اپنی بات۔ میں صرف یہی کہنا چاہتا ہوں کہ سنجے۔ جو سنیل دت صاحب

آپ سمجھا یئے: افضل صاحب۔ پلیز۔ بعد آپ بعد میں بولئے گا۔

I have other names also.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: ابھی ۲ منٹ میں ختم کرونگا میڈم۔ جعفر شریف صاحب نے جو کیبنیٹ منسٹر ہیں۔ انہوں نے سی۔ ڈبلیو۔ سی۔ سے اپیل کی ہے اور اسٹیٹمنٹ اخباروں میں جاری کئے ہیں۔ میرے پاس اسٹیٹمنٹ کی کاپی ہے۔

آپ سمجھا یئے: Please sit down۔ ابھی اسٹیٹمنٹ کے بارے میں بعد میں بولئے گا

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم جعفر شریف صاحب نے کہا ہے کہ ٹاڈا کا مس یوز ایسا لگتا ہے کہ یہ قانون اقلیتوں میں خوف و ہراس کے لئے بنایا گیا ہے۔

THE DEPUTY CHAIRMAN: Afzal Saheb, Please sit down.

شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میڈم غلام نبی آزاد صاحب نے پبلک جلسوں کے اندر ٹاڈا کا بار بار سنگیت دوہرایا اور تو اور ابھی سنڈے نے جو رپورٹ چھاپی ہے۔ مس فرنانڈیز صاحبہ کی رپورٹ ہے۔ اس کے اندر باقاعدہ انہوں نے کوٹ کیا ہے کسی کیبنیٹ منسٹر کے گھر پر میٹنگ ہوئی اور اس کے اندر کتنی الیفیشینٹ ہے۔ دلی کے اندر ایک نوجوان۔ پرانی دلی کے اندر جس کا نام راجندر تھا۔ اس کو قتل کیا گیا۔ اس کو کسی نے چاقو مارا اور وہ مر گیا۔ ایک چاقو کے زخم سے وہ بیچارہ مارا گیا۔ لیکن اس جرم میں دلی کے ۲۲ نوجوان لڑکے آج بھی ٹاڈا کے اندر بند ہیں۔ ایک زخم سے مرنے والے آدمی کو۔ انسان کے خون کی کوئی قیمت نہیں ہے۔ میں یہ کہتا ہوں کہ ٹاڈا ضرور رہے۔ اگر وہ ایک آدمی جس پر ایک چاقو لگنے کے جرم میں ۲۲ لڑکوں کو ٹاڈا لگایا گیا تو مجھے بتائیں کہ جنوری کے فسادات میں بمبئی کے اندر جو ہتیا کانڈ ہوا جو ننگا ناچ ہوا۔ وہاں پر اس جرم میں کتنے لوگوں پر ٹاڈا لگایا گیا اور کتنے لوگ اب بند ہیں۔ وزیر داخلہ اس کا ریکارڈ مہاراشٹر سرکار سے مانگیں اور بتائیں اس ہاؤس کو، اس سدن کو میڈم۔ آج یہ بات ہو رہی ہے۔ آج ٹاڈا کے خلاف کون لوگ ہیں جسٹس تارکنڈے صاحب نے کہا ہے۔

"The blackest of all black laws."

راجیش پائلٹ صاحب نے اس ہاؤس میں کہا تھا کہ ہمیں ایسی شکائتیں ملی ہیں کہ ۹۰ فیصدی سے زیادہ ٹاڈا جن پر لوگوں پر لگایا گیا۔ وہ مس یوز ہوا ہے۔

بیٹھے ہیں ان سے ہاتھ جوڑ کر وِنتی کرتا ہوں کہ امنڈمنٹ کی ضرورت نہیں ہے۔ اس کالے قانون کو ختم کر دیجئے بھگوان کے واسطے ورنہ اس کا ظلم آپ روک نہیں پائیں گے آپ اس پر امنڈمنٹ کریں گے۔ دوسرے راستے تلاش کر لئے جائیں گے۔ آج بمبئی میں پانچ ہزار فیملیز ایسی ہیں۔

اُپ سبھاپتی: افضل صاحب۔ پلیز۔

شری محمد افضل عروم۔ افضل: جن سے باقاعدہ ٹاڈا لگانے کی دھمکی دیکر بھتہ وصول کیا جا رہا ہے۔ یہ بات میں بہت خصوصیت کے ساتھ کہنا چاہتا ہوں۔

अगर आप चाहें तो मैं, जो इस तरह के कैसेज है आपके सामने पेश करना चाहता हूं। (व्यवधान)

شری محمد افضل عروم۔ افضل: "جاری" اگر آپ چاہیں تو میں۔ جو اس طرح کے کیسیز ہیں۔ آپ کے سامنے پیش کرنا چاہتا ہوں۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔

उपसभापति: आप बैठ जाइये।

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: टाडा में बंद कर दिया जायेगा। (व्यवधान)

شری محمد افضل عروم۔ افضل: ٹاڈا میں بند کر دیا جائے گا۔۔۔ "مداخلت"۔۔۔

شرد پوار صاحب بھی تشریف لائے اور شرد پوار صاحب جن کی اسٹیٹمنٹ ہے ٹاڈا کا سب سے زیادہ مس یوز ہو رہا ہے۔ خود انہوں نے اس کو "ریکوزیشن لا" کہا ہے۔

میڈم۔ سب سے آخر میں میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ ہیومن رائٹس آرگنائزیشن جو ابھی بنائی گئی ہے۔ یہاں پر اس کے صدر جسٹس رنگا ناتھن مشر نے ان سارے کیسز کو دیکھا ہے اور دیکھنے کے بعد کہا ہے کہ ٹاڈا کے خلاف عدالت میں جانے کا ارادہ رکھتے ہیں۔ میڈم۔ میں صرف ایک بات کہنا چاہتا ہوں۔ سرکار بل لا رہی ہے۔ اس پر امنڈمنٹ کے لئے بل نہیں لانا چاہیئے۔ یہ بہت ہی تکلیف کی بات ہے۔ ٹاڈا کے تحت جو بیگناہ لوگ پکڑے گئے ہیں۔ ان کے سلسلہ میں سپریم کورٹ کا آرڈر ہے کہ کمیٹیاں بنا کر انکا ریویو کیا جائے۔ لیکن ابھی تک کوئی ریویو شروع نہیں ہوا ہے۔ میں یہ جاننا چاہتا ہوں کہ آخر کار سپریم کورٹ جو ہماری سب سے بلند عدالت ہے۔ اس کے حکم کا کیوں مذاق اُڑایا جا رہا ہے۔ اسٹیٹس کے اندر۔ راجیش پائلٹ صاحب نے جو خط وزرائے اعلیٰ کو لکھا ہے۔ اس کا کیوں مذاق اڑایا جا رہا ہے اور بیگناہوں کو کیوں پریشان کیا جا رہا ہے۔ اس لئے میں وزیر داخلہ صاحب یہاں

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have given you enough time. Please conclude.

श्री मोहम्मद अफजल उर्फ मीम अफजल: मैं आखिरी गुजारिश कर रहा हूं। कोई अमेंडमेंट की जरूरत नहीं है। (**व्यवधान**) खुदा के लिए इसको बंद कर दीजिए। (**व्यवधान**)

†شری محمد افضل عرف م۔ افضل: میں آخری گزارش کر رہا ہوں کوئی امنڈمنٹ کی ضرورت نہیں ہے ... "مداخلت"۔ خدا کیلئے اس کو بند کر دیجئے۔ "مداخلت"۔

उपसभापति: अफजल साहब आप बैठ जाइये।

SHRI JOHN F. FERNANDES (Goa): Madam, Mr. Afzal, mentioned the name of the Governor of Goa. Those guns were not terrorist guns; those were old guns which were licensed. It was a point of jurisdiction to transfer from Indore to Goa. They were not illegal guns and they were licensed. It was a question of expiry of licence and jurisdiction.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is clear.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, Mr. Afzal, gave an eloquent expression to feelings of anguish. I think there is no scope for disagreement in regard to the fact that TADA is a draconian piece of law and it has been grossly misused in various parts of the country. In Andhra Pradesh, it was used for factional purposes. The court had to say that TADA provisions were not applicable for curbing factional activities. Therefore, there is a need for the Government to take a fundamental re-look at the TADA. Will the Government do that?

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, I also associate myself.

THE DEPUTY CHAIRMAN: No more. Now, the Home Minister will speak.

†Translitration in Arabic Script.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA (West Bengal): Just one sentence.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am not allowing a discussion on this, please. I would not allow.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: I am not discussing. Since you allowed him, I am associating myself with the sentiments and demand for the total withdrawal of the draconian measure because it is anti-democratic and it serves no purpose except that it creates more dissensions within the country.

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल): जब टाडा को लागू किया जा रहा था तब से हमारी पार्टी टाडा के खिलाफ थी। दोनों सदन में यह कहा था कि टाडा जिस मकसद से बनाया जा रहा है उसका इस्तेमाल गलत मकसद से होगा। तमाम कानून चाहे वह मीसा का हो या टाडा का हो जो अच्छे मकसद दिखा कर बनाये जाते हैं उनका गलत इस्तेमाल हुआ है। चाहे हैदराबाद हो...

†شری محمد سلیم: جب "ٹاڈا" کو لاگو کیا جا رہا تھا۔ تب سے ہماری پارٹی "ٹاڈا" کے خلاف تھی دونوں سدن میں یہ کہا تھا کہ "ٹاڈا" جس مقصد سے بنایا جا رہا ہے اس کا استعمال غلط مقصد سے ہوگا۔ تمام قانون چاہے وہ "میسا" کا ہو یا "ٹاڈا" کا ہو۔ جو اچھے مقصد دکھا کر بنائے جاتے ہیں۔ ان کا غلط استعمال ہوا ہے۔ چاہے حیدرآباد ہو...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (बिहार): 1990 में तो विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार थी तब क्यों नहीं बोले? अब क्यों बोलते हो? (**व्यवधान**)

श्री मोहम्मद सलीम: महाराष्ट्र हो, केरल हो सब जगह टाडा का गलत इस्तेमाल हो रहा है (**व्यवधान**)

†شری محمد سلیم: مہاراشٹر ہو، کیرل ہو سب جگہ "ٹاڈا" کا غلط استعمال ہو رہا ہے۔ "مداخلت"۔

श्री एस.एस. अहलुवालिया: जब विश्वनाथ प्रताप सिंह की सरकार थी 1990 में तब क्यों नहीं बोले? (व्यवधान)

THE DEPUTY CHAIRMAN: When the Home Minister is standing, please sit down.

SHRI JAGESH DESAI: Madam, I wanted to speak on the issue raised by Mr. Afzal. We are disciplines. so, I was not allowed.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I know. I want to abide by the Chairman's permission. If the members do not abide by his permission, what can I do?

SHRI RAM JETHMALANI (Maharashtra): Madam, I want to participate in the discussion on this.

THE DEPUTY CHAIRMAN: There is no discussion, Mr. Jethmalani. When the discussion comes before the House, you can ask for the time and accordingly whatever is your time allocation, you would be given.

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S.B. CHAVAN): Madam, on what the hon. Member, Shri Afzal, has said, I do not think I can immediately say on behalf either of the Government of Maharashtra or the Government of Gujarat. Unless I get all the facts, it will be difficult for me to react to the points which he has raised. But I have myself written to all the State Chief Ministers requesting them to review all the cases and the use of TADA is not meant for ordinary crimes. TADA is meant only for curbing the terrorist and disruptive activities. But unfortunately this is a line of least resistence. In spite of my writting letters to a number of Chief Ministers also, I can say that this has been misused. In fact, I cannot contradict what you have said unless I get all the facts. The Supreme Court has also give directions for appointing review committees at the State Governments' level and the Government of India's level. At the Government of India's level we cannot, unfortunately, give any directions. We can merely request the State Governments that these are the things which are brought to our notice and you better look into it and see that misuse is stopped. Ultimately action will have to be taken by the State Governments. The hon. Member has in this connection made a reference to the amending Bill, which is going to be discussed before the House. I do not know whether he has gone through the Bill. That Bill has nothing to do with this. The judgment of the Supreme Court is that it has to be given a retrospective effect. If the "retrospective effect" thing is brought about, then, it will mean that the accused people in the Rajiv Gandhi assassination case would also get the benefit. That is why, we are just trying to correct it and say that what we intended was "prospective effect" and not "retrospective effect". I can assure that. Besides this, the another provision was about the person who is absconding and who is declared as a proclaimed absconder. His identity was to be shown by a photograph. That also has been struck down by the Supreme Court. We are agreeing with it. These are the only two provisions about which the Bill is being brought before the House. But the hon. Member is trying to connect both. That is why I thought that I should clarify the position. In this amending Bill there is hardly anything. If by any chance the Government comes before the House to seek extension of the TADA, all the arguments that the hon. Members has put forth will be very relevant at that stage and not at this stage.

SHRI RAM JETHMALANI: Madam, the hon. Minister talks of States and his instructions. He is very kind, very generous. But what about those prosecutions which the CBI has instituted which are all thoroughly misconceived?

SHRI S.B. CHAVAN: I think that you are an interested party. I should not reply to your point.

SHRI RAM JETHMALANI: Mr. Chavan, that is the whole trouble.

You are not prepared to ... *(Interruptions)*... You are raising the point in this House. .. *(Interruptions)*...

SHRI S.B. CHAVAN: You are appearing on behalf of ...(Interruptions)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: (West Bengal) Madam, the hon. Minister has agreed that there has been misuse of TADA. What is the protection?

श्री मोहम्मद सलीम (उत्तर प्रदेश): हमने कहा मिसयूज़..... (**व्यवधान**) आप कह रहे हैं कि अमैंडमेंट आ रहा है। अभी अमैंडमेंट के बारे में कहें। (**व्यवधान**)

श्री एस॰एस॰ अहलुवालिया (बिहार): मैडम, इस सदन में पहले भी आप रूलिंग दे चुकी हैं कि जिस केस की कोर्ट में जिरह चल रही हो, कोई सदन में उस पर बहस नहीं करेगा। (**व्यवधान**)

SHRI MD. SALIM: you cannot escape from your responsibility.

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, the hon. Minister has agreed that there has been misuse of the TADA. He admits it. This is an impotrant thing.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Mr. Gurudas Das Gupta, please sit down. If I have to protect my rule, I have to allow other Members also.

SHRI S. JAIPAL REDDY (Andhra Pradesh): Madam, I am on a point of order.

THE DEPUTY CHAIRMAN: What is your point of order? First of all, during the Zero Hour discussion, there is no point of order.

SHRI RAM JETHMALANI: Instead of blaming the States, he should put his own house in order.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Madam, I am on a serious point of order. Our Home Minister is not only a senior Minister but he is also the Leader of the House. Referring to the hon. Member, Mr. Ram Jethmalani he has declared him as an "interested party". I have not understood the kind of interpretation which he has placed on these words "interested party". Mr. Ram Jethmalani, as an advocate might have appeared in some TADA cases. But that does not prevent him as a Member of the House to speak on the philosophy and practice of the TADA. If he refers to individual cases, then, that would be incorrect. I think it would not be correct at all to shut the mouth of a Member just because he was appearing in some cases. ...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Syed Sibtey Razi, I have identified Mr. Madan Bhatia, please sit down.

SHRI MADAN BHATIA (Nominated): Madam, when the question arose whether the hon. Member should participate in the debate. ...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You talk about the TADA. I am not opening that topic. We are not discussing about an individual Member. I won't permit that. I thought that you are going to talk about the TADA. You can mention about that.

SHRI S.S. AHLUWALIA: Madam, when the hon. Member participated in the debate on the JPC report, at that time, he was pleading the case of Mr. Harshad Mehta. ...*(Interruptions)*.

SHRI MADAN BHATIA: The hon. Member on his own should not have participated in the debate. This is the point I am making.

THE DEPUTY CHAIRMAN: That matter is closed. I am not opening that topic. Syed Sibtey Razi, your Special Mention. The problem here is entirely different. I am not allowing you. ...*(Interruptions)*.

SHRI S. JAIPAL REDDY: Only those who own business interests can speak for the business! That is not a matter of interest!

SHRIMATI RENUKA CHOWDHURY (Andhra Pradesh): Is there a ruling in this House that prevents us from discussing generally irrespective of our professions? ...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Syed Sibtey Razi. ...*(Interruptions)*.

My ruling cannot be quoted just now in this matter. ...*(Interruptions)*.

Re. Attack on Amarnath Yatra at Anantnag

SYED SIBTEY RAZI (Uttar Pradesh): Madam Deputy Chairman, I want to mention. ...*(Interruptions)*. the attack on Amarnath pilgrims. We are living in a secular country. Whatever caste, creed and religion individuals belong to, their modes of worship should not be hampered, in any case. I am sorry that a terrorist organisation which has its base in the Occupied Kashmir, the Harkat-ul- Ansar,. ...*(Interruptions)*.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Will you please keep quiet? Mr. Sibtey Razi is making an important point. We want to listen to him. Please allow him to speak. ...*(Interruptions)*. he is on his legs. Let him finish.

SYED SIBTEY RAZI: The terrorist organisation based in Occupied Kashmir gave